पुनना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Sample copy-2020-21

Semester-2

## विषय- हिन्दी		कक्षा-6

पाठ- 9 टिकट अलबम
(सुंदरा रामस्वामी)

*** शब्दार्थ**

1- जमघट- समूह
2- उत्सुक- बेचैन
3- अगुवा- दूसरो के आगे चलनेवाला
4- पगडंडियो- पतला रास्ता
5- पृष्ठ- पेज़, पन्ना
6- दराज- कबाट
7- तमतमाना- क्रोध या आवेश में चेहरा लाल होना
8- अँगीठी- मिटटी या लोहे का बना चूल्हा

*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1- नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा के मन की क्या दशा हुई?
उत्तर:- नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा मन ही मन कुढ़ा करता था। उसे अब स्कूल जाना भी अच्छा नहीं लगता था उसे जलन हो रही थी।

2- अलबम चुराते समय राजप्पा किस मानसिक स्थिति से गुज़र रहा था?
उत्तर:- अलबम का पहला पृष्ठ पढ़कर उसका दिल तेजी से धडकने लगा। अलबम चुराते समय राजप्पा का पूरा शरीर जैसे जल रहा था। गला सूख रहा था और चेहरा तमतमाने लगा था। इस प्रकार राजप्पा ने अलबम चुरा तो लिया परंतु उसे बहुत ही दुखद मानसिक स्थिति का सामना करना पड़ा क्योंकि उसे पता था उसने गलत किया है।

3- राजप्पा ने नागराजन का टिकट-अलबम अँगीठी में क्यों डाल दिया?
उत्तर:- अपनी चोरी पकड़े जाने के डर के मारे राजप्पा ने नागराजन का टिकट-अलबम अँगीठी में डाल दिया।

4- लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्सी से क्यों की?
उत्तर:- लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्सी की है क्योंकि मधुमक्खी विभिन्न फूलों से रस इकट्ठा करती है उसी प्रकार राज्प्पा ने भी विभिन्न स्थानों और व्यक्तियों से टिकट इकट्ठा कर अपना अलबम तैयार किया है।

5- टिकट-अलबम का शौक रखने के राजप्पा और नागराजन के तरीके में क्या फ़र्क है?
उत्तर:- मधुमक्खी विभिन्न फूलों से रस इकट्ठा करती है उसी प्रकार राजप्पा ने भी विभिन्न स्थानों और व्यक्तियों से टिकट इकट्ठा कर अपना अलबम तैयार किया और नागराजन को उसके मामा ने बना-बनाया अलबम भेज दिया था।

6- राजप्पा अलबम के जलाए जाने की बात नागराजन को क्यों नहीं कह पाता है? अगर वह कह देता तो क्या कहानी के अंत पर कुछ फ़र्क पड़ता? कैसे?

उत्तर:- राजप्पा अलबम के जलाए जाने की बात नागराजन को नहीं कह पाता क्योंकि इससे उसका विश्वास टूट जाता। अगर कह देता तो उसे सब भला-बुरा कहते और नागराजन उससे लड़ भी सकता था।

7- नागराजन ने अलबम के मुख्य पृष्ठ पर क्या लिखा और क्यों? इसका असर कक्षा के दूसरे लड़के-लड़कियों पर क्या हुआ?

उत्तर- नागराजन के अलबम के मुख्य पृष्ठ पर लिखा था-ए एम नागराजन और नीचे की पंक्तियों में लिखा था इस अलबम को चुराने वाला बेशर्म है। ऊपर लिखे नाम को कभी देखा है? यह अलबम मेरा है। जब तक घास हरी है और कमल लाल, सूरज जब तक पूर्व से उगे और पश्चिम में छिपे, उस अनंत काल तक के लिए यह अलबम मेरा है, रहेगा। ऐसा इसलिए लिखा था ताकि उसे कोई चुराने की कोशिश न करे। यह अलबम हमेशा-हमेशा के लिए नागराजन के पास रहे। कक्षा के दूसरे लड़के-लड़कियों पर इसका यह असर हुआ कि उन्होंने इसे अपने अलबम और कॉपी में उतार लिया।

8- राजप्पा अलबम के जलाए जाने की बात नागराजन को क्यों नहीं कह पाता है? अगर वह कह देता तो क्या कहानी के अंत पर कुछ फ़र्क पड़ता? कैसे?

उत्तर- अगर राजप्पा अलबम जलाए जाने की बात नागराजन को कहती, तो नागराजन उसे ईष्यालु और चोर समझती और दोनों में शत्रुता हो जाती। नागराजने उससे लड़ सकता था। उसे माता-पिता से डाँट भी सुननी पड़ती। हो सकता है, नागराजन स्कूल में भी सबको बता देता और राजप्पी को शरमिंदगी झेलनी पड़ती।

व्याकरण- विभाग

उपसर्ग की परिभाषा

उपसर्ग उस शब्दांश या अव्यय को कहते है, जो किसी शब्द के पहले आकर उसका विशेष अर्थ प्रकट करता है।

दूसरे शब्दों में- ''उपसर्ग वह शब्दांश या अव्यय है, जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में मूल शब्द के अर्थ में विशेषता ला दे या उसका अर्थ ही बदल दे।'' वे उपसर्ग कहलाते है।

अन	-	अनमोल, अलग, अनजान, अनकहा, अनदेखा इत्यादि।
अध्	-	अधजला, अधखिला, अधपका, अधकचरा, अधकच्चा, अधमरा इत्यादि।
उन	-	उनतीस, उनचास, उनसठ, इत्यादि।
भर	-	भरपेट, भरपूर, भरदिन इत्यादि।
दु	-	दुबला, दुर्जन, दुर्बल, दुकाल इत्यादि।
नि	-	निगोड़ा, निडर, निकम्मा इत्यादि।

लेखन-विभाग

निबंध- समाचार पत्रों के लाभ

अगर हम समाचार पत्र के बारे में ऐसा कहें कि यह हमारे सुबह की पहली जरूरत है, तो यह गलत नहीं होगा हममें से कुछ लोग तो ऐसे है, जिन्हें बिना समाचार पत्र पढे सुबह की चाय पीना भी पसंद नहीं याद कीजिये दीपावली और होली का दूसरा दिन जब समाचार पत्र की अनुपस्थिति में हमारी सुबह सूनि-सूनि सी होती है साल में यही दो-तीन दिन होते है,जब हमें सुबह समाचार पत्र प्राप्त नहीं होता, अन्यथा अन्य सभी दिन हर सुबह बहुत ही अनुशासित ढंग से हमें हमारा समाचार पत्र प्राप्त होता है चाहे वह बारिश भरी रात हो या ठंड से भरी सुबह हमें हमारा समाचार पत्र रोज की ताजा खबरों के साथ अपने घर की दहलीज पर मिल ही जाता है।

अगर हम समाचार पत्रों का इतिहास जानने की कोशिश करे तो यह बहुत ही प्राचीन है, कहा जाता है कि इसकी शुरवात कोलकाता मे हुई थी पहले समाचार पत्र एक क्षेत्र विशेष तक ही सीमित था, परंतु नित नये आविष्कारों के चलते सूचना का आदान प्रदान तुरंत संभव हो सका साथ ही साथ छपाई कला में भी दक्षता आई आजकल कई ऐसी मशीने उपलब्ध है, जिसकी सहायता से चंद घंटो मे हजारो की संख्या में प्रतियाँ तैयार हो जाती है इन सभी आविष्कारों के चलते समाचार पत्र एक क्षेत्र तक सीमित न रहकर देश विदेशो तक पहुँच गया है।

आज हम घर बैठे दुनिया के हर देश हर कोने की जानकारी समाचार पत्र मे पढ़ सकते है आज कल पाठक की सुविधा का ध्यान रखते हुये हर भाषा में समाचार पत्र उपलब्ध है, जिसमें खेल कूद, बिज़नेस, राजनीति, शासन प्रशासन आदि कई सारी जानकारी इसमें पाठक को उपलब्ध कराई जाती है आजकल कई समाचार पत्रों का प्रकाशन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी होता है, जिससे देश विदेश कि जानकारी मिलती है समाचार पत्रों में कुछ पेज किसी क्षेत्र विशेष के भी होते है,जिसमें वहाँ की समस्याँ और जानकारी दोनों प्रकाशित की जाती है|

सबसे पहला समाचार पत्र वाइसराय हिक्की द्वारा "बंगाल गज़ट" नाम से बंगाल में शुरू किया गया था हालाँकि इसके पहले भी कई पन्नेनुमा पत्रों का उपयोग सूचनाओ के आदान प्रदान के लिए किया जाता था परंतु बंगाल गज़ट ही सबसे पहला पूर्ण रुपेन अखबार है, क्युकी पहले अखबार अग्रेज़ी भाषा मे होते थे, तो यह जनसमान्य के लिए उपयोगी नहीं थे, यह केवल अंग्रेज़ो के उपयोग का साधन मात्र थे सबसे पहला हिन्दी समाचार पत्र सन 1826 मे "उदंम मार्तड" नाम से प्रकाशित हुआ यह एक साप्ताहिक अखबार था, परंतु इसे 1827 में ही दबाव के चलते बंद करना पडा इसके बाद अंग्रेज़ो के विरूध्द संघर्ष करते हुये बंगालदूत, समाचार सुधा वर्षण, केसरी, वंदे मातरम आदि समाचार पत्रों का संपादन किया गया।

समाचार पत्रों में रोजमर्रा के समाचारों के अतिरिक्त साहित्य, धर्म, खेलकूद, राजनीति, व्यापार एवं चलचित्र आदि के विषय में जानकारी और सूचनाओं के साथ साथ लेख भी छापे जाते हैं।ये सभी समाचार पत्र हमारे लिये बहुत उपयोगी हैं। यह हमारे ज्ञान में वृद्धि करने के साथ साथ हमारा मनोरंजन भी करते हैं। समाचार पत्रों के

माध्यम से विज्ञापनों द्वारा नये नये उत्पादों की जानकारी आज जनता तक आसानी से पहुंच जाती है। लोकतंत्र में समाचार पत्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। अतः हम सभी को प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालनी चाहिये।

*** गतिविधि- ड़ाक-टिकट एकत्र करके लगाओ।**

रामबाल– कथा

पाठ– 7 सोने का हिरण

प्रश्न- सोने का हिरण कौन बना था?

उत्तर- सोने का हिरण मारीच बना था ।

प्रश्न- राम को कुटिया से निकलते देख कर मायावी हिरण ने क्या किया?

उत्तर- राम को कुटिया से निकलते देख कर मायावी हिरण कुलाचें भरने लगा ।

प्रश्न- हिरण किस प्रकार चालाक था?

उत्तर - हिरण चालाक था क्योंकि वह इतनी दूर कभी नहीं जाता था कि वह राम के पहुँच से बाहर हो जाए ।

प्रश्न- राम ने लक्ष्मण को क्या आदेश दिया था?

उत्तर- राम ने लक्ष्मण को उनके लौटने तक सीता की रक्षा का आदेश दिया था ।

प्रश्न- सीता क्या सुनकर विचलित हो गई?

उत्तर - सीता मायावी पुकार सुनकर विचलित हो गई ।

प्रश्न- लक्ष्मण के जाते ही कौन आ पहुँचा?

उत्तर - लक्ष्मण के जाते ही रावण आ पहुँचा ।

प्रश्न- रावण किस वेश में आया था?

उत्तर - रावण तपस्वियों के वेश में आया था ।

प्रश्न- रावण ने सीता के किन गुणों की प्रशंसा की?

उत्तर - रावण ने सीता के स्वरुप, संस्कार और साहस की प्रशंसा की ।

प्रश्न- रावण सीता को लेकर सीधे कहाँ गया?

उत्तर - रावण सीता को लेकर सीधे अपने अंतःपुर में गया।

पाठ– 8 सीता की खोज

प्रश्न- राम लक्ष्मण से क्यों क्रोधित थे?

उत्तर - राम लक्ष्मण से इसलिए क्रोधित थे क्योंकि लक्ष्मण सीता को अकेला छोड़ कर राम को ढूंढ़ने के लिए निकल गए थे।

प्रश्न- राम की बेचैनी क्यों बढ़ गई?

उत्तर - जब राम के पुकारने पर भी कुटिया से सीता की कोई आवाज़ नहीं आई तो राम की बेचैनी बढ़ गई।

प्रश्न- विरह में राम ने सीता का पता किस-किस से पूछा?

उत्तर - विरह में राम ने सीता का पता गोदावरी नदी, पंचवटी के एक-एक वृक्ष, हाथी, शेर, फूलों, पथरों और चट्टानों से पूछा ।

प्रश्न- सीता को वन में ढूँढ़ते हुए राम क्या देख कर असमंजस में पड़ गए?

उत्तर- टूटे हुए रथ के टुकड़े, मृत घोड़े और मारा हुआ सारथी को वन में देखकर राम असमंजस में पड़ गए।

प्रश्न- रथ के पास राम को सीता की कौन सी वस्तु मिली?

उत्तर - राम को रथ के पास पुष्पमाला मिली जो सीता ने वेणी में गूँथ रखा था।

प्रश्न- जटायु की अंतिम क्रिया किसने की?

उत्तर - जटायु की अंतिम क्रिया राम ने की।

प्रश्न- कबंध ने राम से क्या आग्रह किया?

उत्तर - कबंध ने राम से आग्रह किया कि उसका अंतिम संस्कार राम करें।

प्रश्न- वानरराज सुग्रीव कहाँ रहते थे?

उत्तर - वानरराज सुग्रीव पंपा सरोवर के निकट ऋष्यमूक पर्वत पर रहते थे।

प्रश्न- पंपा सरोवर के पास किसका आश्रम था?

उत्तर - पंपा सरोवर के पास मतंग ऋषि का आश्रम था।

प्रश्न- शबरी कौन थी और वो कहाँ रहती थी?

उत्तर - शबरी मतंग ऋषि की शिष्या थी और वह मतंग ऋषि के आश्रम में ही रहती थी।

कविता- 10 झांसी की रानी

- सुभद्रा कुमारी चौहान

* शब्दार्थ

1- भृकुटी- आँख के ऊपर के बाल, भौंह

2- सत्तावन- स्तुति करने की किया, भाव

3- पुलकित- प्रेम, हर्ष

4- व्यूह- पंक्ति, झुंड

5- आराध्य- पूजनीय

6- सुभट- बड़ा योदधा

7- विरुदावलि- बड़े व्यक्ति के गुण

8- उदित- प्रकाशित

9- डलहौजी- अंग्रेज का नाम

10- हरषाया- खुश होना

11- अश्रुपूर्ण- आँसुओ से भरा हुआ

12- बिसात- जमा पूँजी

13- विषम- विचित्र, अनोखा

14- वेदना- पीड़ा

15- सन्मुख- सामने

16- कृतज्ञ- सुखद

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1- महल में खुशी का कारण क्या था?

उत्तर- विवाह के बाद रानी लक्ष्मीबाई का महल में आना खुशी का प्रमुख कारण था।

2- डलहौज़ी प्रसन्न क्यों था?

उत्तर- क्योंकि निःसंतान राजा गंगाधर राव की मृत्यु होने पर झाँसी का अधिकार स्वतः ही अंग्रेज़ी सरकार को मिल जाना था इसलिए डलहौज़ी प्रसन्न था।

3- ब्रिटिश सरकार ने झाँसी के दुर्ग पर झंडा क्यों फहराया?

उत्तर- क्योंकि वहाँ के राजा निःसंतान मृत्यु को प्राप्त हुए।

4- अंग्रेज़ों ने भारत के किन-किन क्षेत्रों पर अधिकार कर लिया था?

उत्तर- अंग्रेजों ने भारत के कई हिस्सों पर अधिकार कर लिया था। उनमें से प्रमुख हैं- दिल्ली, लखनऊ, बिहार, नागपुर, तंजौर, सतारा, कर्नाटक, सिंध, पंजाब, मद्रास आदि।

* प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1- " किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई "
इस पंक्ति में किस घटना की ओर संकेत है?

उत्तरः- इस पंक्ति में झाँसी के राजा और रानी लक्ष्मीबाई के पति गंगाधर राव की आकस्मिक मृत्यु की ओर संकेत किया है।

2- झाँसी की रानी के जीवन से हम क्या प्रेरणा ले सकते हैं?

उत्तर- झाँसी की रानी के जीवन से हम देश के लिए मर मिटने, स्वाभिमान से जीने, विपत्तियों से न घबराने, साहस, दृढ़ निश्चय, नारी अबला नहीं सबला है आदि की प्रेरणा ले सकते हैं।

3- वीर महिला की इस कहानी में कौन-कौन से पुरुषों के नाम आए हैं?

उत्तरः- इस कहानी में वीर शिवाजी, नाना धुंधूपंत, पेशवा, तातियाँ, अजीमुल्ला, अहमद शाह मौलवी, ठाकुर कुँवरसिंह, सैनिक अभिराम आदि अनेक वीर पुरुषों के नाम आए हैं।

4- सुभद्रा कुमारी चौहान लक्ष्मीबाई को "मर्दानी"क्यों कहती हैं?

उत्तरः- झाँसी की रानी एक महिला होते हुए भी उनमें पुरुषोचित गुण साहस, वीरता, युद्ध कला में निपुणता निडरता आदि गुण विद्यमान थे। उन्होंने युद्ध भूमि में अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिए थे उनकी वीरता का लोहा भारतवासियों के साथ अंग्रेजों ने भी माना था। अतः सुभद्रा कुमारी चौहान ने लक्ष्मीबाई के इसी अभूतपूर्व साहस, शौर्य तथा वीरता का परिचय कराने के लिए "मर्दानी"शब्द का प्रयोग किया है।

6- कविता में किस दौर की बात है? कविता से उस समय के माहौल के बारे में क्या पता चलता है?

उत्तर- कविता में वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौर की बात कही गई है। इस संग्राम में झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय के माहौल के बारे में यह पता चलता है कि देश गुलाम था और लोगों के दिलों में देशप्रेम की ज्वाला भड़क रही थी। वे आजादी पाने के लिए लालायित थे।

7- भारतीयों ने अंग्रेजों को दूर करने का निश्चय क्यों किया था?

उत्तर- भारत कई सौ वर्षों तक गुलाम रहा। इस कारण यहाँ के लोग स्वतंत्रता के महत्त्व को भूल गए थे। इस आंदोलन से उन्हें स्वतंत्रता का महत्त्व को समझ में आ गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि फिरंगी धीरे-धीरे अपने साम्राज्य का विस्तार कर रहे हैं। इस कारण भारतीयों ने अंग्रेज़ों को दूर भगाने का निश्चय किया।

व्याकरण-विभाग

प्रत्यय की परिभाषा

जो शब्दांश, शब्दों के अंत में जुड़कर अर्थ में परिवर्तन लाये, प्रत्यय कहलाते है।

दूसरे अर्थ में- शब्द निर्माण के लिए शब्दों के अंत में जो शब्दांश जोड़े जाते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं।

प्रत्यय दो शब्दों से बना है- प्रति+अय। 'प्रति' का अर्थ 'साथ में, 'पर बाद में' है और 'अय' का अर्थ 'चलनेवाला' है। अतएव, 'प्रत्यय' का अर्थ है 'शब्दों के साथ, पर बाद में

चलनेवाला या लगनेवाला। प्रत्यय उपसर्गों की तरह अविकारी शब्दांश है, जो शब्दों के बाद जोड़े जाते है।

प्रत्यय	**धातु**	**कृदंत-रूप**
आऊ	टिक	टिकाऊ
आक	तैर	तैराक
आका	लड़	लड़का
आड़ी	खेल	खिलाड़ी
आलू	झगड़	झगड़ालू
इया	बढ़	बढ़िया
इयल	अड़	अड़ियल
इयल	मर	मरियल
ऐत	लड़	लड़ैत
ऐया	बच	बचैया
ओड़	हँस	हँसोड़
ओड़ा	भाग	भगोड़ा

लेखन–विभाग

संवाद–लेखन

रोगी और वैद्य का संवाद।

रोगी- (औषधालय में प्रवेश करते हुए) वैद्यजी, नमस्कार!

वैद्य- नमस्कार! आइए, पधारिए! कहिए, क्या हाल है ?

रोगी- पहले से बहुत अच्छा हूँ। बुखार उतर गया है, केवल खाँसी रह गयी है।

वैद्य- घबराइए नहीं। खाँसी भी दूर हो जायेगी। आज दूसरी दवा देता हूँ। आप जल्द अच्छे हो जायेंगे।

रोगी- आप ठीक कहते हैं। शरीर दुबला हो गया है। चला भी नहीं जाता और बिछावन (बिस्तर) पर पड़े-पड़े तंग आ गया हूँ।

वैद्य- चिंता की कोई बात नहीं। सुख-दुःख तो लगे ही रहते हैं। कुछ दिन और आराम कीजिए। सब ठीक हो जायेगा।

रोगी- कृपया खाने को बतायें। अब तो थोड़ी-थोड़ी भूख भी लगती है।

वैद्य- फल खूब खाइए। जरा खट्टे फलों से परहेज रखिए, इनसे खाँसी बढ़ जाती है। दूध, खिचड़ी और मूँग की दाल आप खा सकते हैं।

रोगी- बहुत अच्छा! आजकल गर्मी का मौसम है; प्यास बहुत लगती है। क्या शरबत पी सकता हूँ?

वैद्य- शरबत के स्थान पर दूध अच्छा रहेगा। पानी भी आपको अधिक पीना चाहिए।

रोगी- अच्छा, धन्यवाद! कल फिर आऊँगा।

वैद्य- अच्छा, नमस्कार।

* गतिविधि– झांसी की रानी का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

रामबाल–कथा

पाठ–१ राम और सुग्रीव

प्रश्न- सुग्रीव के बड़े भाई का क्या नाम था?

उत्तर - सुग्रीव के बड़े भाई का नाम बाली था।

प्रश्न- सुग्रीव के प्रमुख साथी कौन थे?

उत्तर - सुग्रीव के प्रमुख साथी हनुमान थे।

प्रश्न- सुग्रीव सीता हरण का सुनकर अचानक क्यों उठ खड़े हुए?

उत्तर - सुग्रीव सीता हरण का सुनकर अचानक उठ खड़े हुए क्योंकि वानरों ने उन्हें एक स्त्री हरण की बात बताई थी।

प्रश्न- सुग्रीव ने राम को अपनी क्या व्यथा सुनाई?

उत्तर- सुग्रीव ने राम को बताया कि बाली ने उसे राज्य से निकाल दिया । उसकी स्त्री छीन ली और उसका वध करने की चेष्टा कर रहा है । हनुमान, नल और नील ने उसका साथ दिया है ।

प्रश्न- सुग्रीव राम से क्यों कुपित था?

उत्तर - सुग्रीव राम से इसलिए कुपित था क्योंकि राम पेड़ के पीछे खड़े थे परन्तु धनुष हाथ होने पर भी उन्होंने सुग्रीव को बचाने के लिए तीर नहीं चलाया

प्रश्न- किसने सुग्रीव को उनका राम को दिया वचन याद दिलाया?

उत्तर- हनुमान ने सुग्रीव को उनका राम को दिया वचन याद दिलाया ।

प्रश्न- वानरसेना एकत्र करने का आदेश सुग्रीव ने किसे दिया?

उत्तर- वानरसेना एकत्र करने का आदेश सुग्रीव ने सेनापति नल को दिया ।

प्रश्न- राम सुग्रीव के किस व्यवहार से क्षुब्ध थे?

उत्तर - राम सुग्रीव से इसलिए क्षुब्ध थे क्योंकि उन्होंने अपनी वानरसेना अभी तक नहीं भेजी थी ।

पाठ- 11 जो देखकर भी नही देखते
- हेलेन केलर

* शब्दार्थ

1- परखना- जाँचना, देखना
2-जंगल- वन
3- अचरज- हैरानी, आश्चर्य
4- विश्वास- भरोसा
5- रोचक- दिलचस्प, आनंददायक
6- प्रकृति- स्वभाव
7- कालीन- गलीचा
8- दृष्टि- नज़र
9- संवेदना- सहानुभूति
10- भोज-पत्र- एक विशेष प्रकार की वृक्ष की छाल

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1- लेखिका के कानों में किसके मधुर स्वर गूंजने लगते थे?

उत्तर- लेखिका के कानों में चिड़ियों के मधुर स्वर गूंजने लगते थे।

2- लेखिका को प्रकृति के जादू का अहसास कब होता है?

उत्तर- फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह छूने और उनकी घुमावदार बनावट महसूस करने से लेखिका को प्रकृति के जादू का अहसास होता है।

3- इस दुनिया के लोग कैसे हैं?

उत्तर- इस दुनिया के अधिकांश लोग संवेदनहीन हैं। वे अपनी क्षमताओं की कद्र करना नहीं जानते।

4- हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा क्यों लेती है?

उत्तर- हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा यह परखने के लिए लेती है कि वे क्या देखते हैं।

5-लेखिका को झरने का पानी कब आनंदित करता है?

उत्तर- लेखिका जब झरने के पानी में अँगुलियाँ डालकर उसके बहाव को महसूस करती है, तब वह आनंदित हो उठती है।

* लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1- लेखिका को किस काम से खुशी मिलती है?

उत्तर- लेखिका को प्राकृतिक वस्तुओं को स्पर्श करने में खुशी मिलती है। वह चीज़ों को छूकर उनके बारे में जान लेती है। यह स्पर्श उसे आनंदित कर देता है।

2- मनुष्य का स्वभाव क्या है?

उत्तर- मनुष्य अपनी क्षमताओं की कदर नहीं करता। वह अपनी ताकत और अपने गुणों को नहीं पहचानता। वह नहीं जानता कि ईश्वर ने उसे आशीर्वाद स्वरूप क्या-क्या दिया है और उसका उपयोग नहीं कर सकता है। मनुष्य केवल उस चीज़ के पीछे भागता रहता है, जो उसके पास नहीं है। यही मनुष्य का स्वभाव है।

3- इस पाठ से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर- इस पाठ से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि जीवन में जीने के लिए मनुष्य के पास जो साधन उपलब्ध हो उनसे संतुष्ट रहना चाहिए।

* प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1– 'जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं' – हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता था?

उत्तर:- एक बार हेलेन केलर की प्रिय मित्र जंगल में घूमने गई थी। जब वह वापस लौटी तो हेलेन केलर ने उससे जंगल के बारे में जानना चाहा तो उसकी मित्र ने जवाब दिया कि कुछ खास नहीं तब उस समय हेलेन केलर को लगा कि सचमुच जिनके पास आँखें होती है वे बहुत ही कम देखते हैं।

2- 'प्रकृति का जादू' किसे कहा गया है?

उत्तर:- प्रकृति के अनमोल खजाने को, उसके अनमोल सौंदर्य और उसमें होने वाले नित्य-प्रतिदिन बदलाव को 'प्रकृति का जादू' कहा गया है।

3- 'कुछ खास तो नहीं'- हेलेन की मित्र ने यह जवाब किस मौके पर दिया और यह सुनकर हेलेन को आश्चर्य क्यों हुआ?

उत्तर:- एक बार हेलेन केलर की प्रिय मित्र जंगल में घूमने गई थी।जब वह वापस लौटी तो हेलेन केलर ने उससे जंगल के बारे में जानना चाहा तब उसकी मित्र ने जवाब दिया कि कुछ खास नहीं।
यह सुनकर हेलेन केलर को बड़ा आश्चर्य हुआ कि लोग कैसे आँखें होकर भी नहीं देखते हैं क्योंकि वे तो आँखें न होने के बावजूद भी प्रकृति की बहुत सारी चीज़ों को केवल स्पर्श से ही महसूस कर लेती हैं।

4- हेलेन केलर प्रकृति की किन चीज़ों को छूकर और सुनकर पहचान लेती थीं?

उत्तर:- हेलन केलर भोज-पत्र के पेड़ की चिकनी छाल और चीड की खुरदरी छाल को स्पर्श से पहचान लेती थी। वसंत के दौरान वे टहनियों में नयी कलियाँ, फूलों की पंखुडियों की मखमली सतह और उनकी घुमावदार बनावट को भी वे छूकर पहचान लेती थीं। चिडिया के मधुर स्वर को वे सुनकर जान लेती थीं।

5- 'जबकि इस नियामत से ज़िंदगी को खुशियों के इन्द्रधनुषी रंगों से हरा-भरा जा सकता है।' – तुम्हारी नज़र में इसका क्या अर्थ हो सकता है?

उत्तर:- दृष्टि हमारे शरीर का कोई साधारण अंग नहीं है बल्कि यह तो ईश्वर प्रदत्त नियामत है। इसके जरिए हम प्रकृति निर्मित और मानव निर्मित हर एक वस्तु का आनंद उठा सकते हैं। ईश्वर के इस अनमोल तोहफ़े से हम अपना जीवन खुशियों से भर सकते हैं। अत: हमें ईश्वर का शुक्रगुजार होते हुए इसकी कद्र भी करनी चाहिए।

व्याकरण– विभाग

कारक की परिभाषा

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका (संज्ञा या सर्वनाम का) सम्बन्ध सूचित हो, उसे (उस रूप को) 'कारक' कहते हैं।

कारक के भेद-

(1)कर्ता कारक
(2)कर्म कारक
(3)करण कारक
(4)सम्प्रदान कारक
(5)अपादान कारक
(6)सम्बन्ध कारक

(7)अधिकरण कारक
(8)संबोधन कारक

(1) कर्ता कारक :- जो वाक्य में कार्य करता है उसे कर्ता कहा जाता है। अथार्त वाक्य के जिस रूप से क्रिया को करने वाले का पता चले उसे कर्ता कहते हैं।
राम ने पत्र लिखा।
हम कहाँ जा रहे हैं।
रमेश ने आम खाया।

(2) कर्म कारक :- जिस व्यक्ति या वस्तु पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है उसे कर्म कारक कहते हैं।

- ममता सितार बजा रही है।
- राम ने रावण को मारा।
- गोपाल ने राधा को बुलाया।

(3) करण कारक :- जिस साधन से क्रिया होती है उसे करण कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिन्ह से और के द्वारा होता है।

- बच्चे गेंद से खेल रहे हैं।
- बच्चा बोतल से दूध पीता है।
- राम ने रावण को बाण से मारा।

(4) सम्प्रदान कारक :- जिसके लिए कोई क्रिया काम की जाती है, उसे सम्प्रदान कारक कहते है।

- वे मेरे लिए उपहार लाये हैं।
- माँ बेटे के लिए सेब लायी।
- मैं सूरज के लिए चाय बना रहा हूँ।

लेखन-विभाग

पत्र-लेखन

पर्यावरण में हो रही क्षति के सन्दर्भ में अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का निवेदन करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

424, शालीमार बाग,
दिल्ली।

दिनांक 16 मार्च, 2020

सेवा में,
सम्पादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
दिल्ली।

विषय- अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के सम्बन्ध में।

महोदय,
इस पत्र के माध्यम से मैं प्रशासन, सरकार व आम जनता का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती हूँ कि वृक्षों की अन्धाधुन्ध कटाई व कारखानों से निकलने वाले धुएँ के कारण पर्यावरण को अत्यधिक क्षति हो रही है। यद्यपि वन महोत्सव के अवसर पर वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आरम्भ किया जाता है तथा अनेक वृक्ष भी लगाए जाते हैं, परन्तु उनकी देखभाल नहीं की जाती जिसके कारण पर्यावरण में प्रदूषण का खतरा बढ़ता जा रहा है।

मेरा सभी से निवेदन है कि हम सभी को मिलकर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने होंगे जिससे हम पर्यावरण को सुरक्षित कर पाएँगे।

धन्यवाद।

भवदीय
राहुल

*** गतिविधि–** प्रकृति की चीजो का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।